महत्वपूर्ण एवं खास

दमउधारा युवक की मौत, पैर फिसलने से हुआ हादसा

सक्ती (आरएनएस)। जिले के पर्यटन स्थल दमऊधारा में एक युवक की पानी में डूबकर मौत हो गई। युवक अपने एक दोस्त के साथ घूमने आया था। नहाते समय उसका पैर फिसल गया और डूबने से उसकी मौत हो गई। मामला नगरदा थाना क्षेत्र का है। शनिवार को युवक के शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर उसे परिजनों को सौंप दिया गया। जानकारी के मुताबिक, जांजगीर चांपा जिले के शिवरीनारायण थाना क्षेत्र के ग्राम पचेरी का रहने वाला चंद्र सागर नायक (18 वर्ष) अपने गांव के ही रहने वाले दोस्त गुलशन खूंटे के साथ घूमने के लिए पर्यटन स्थल दमऊधारा आया था। थोड़ा घूमने के बाद दोनों झरने मे नहाने के लिए गए। दोनों थोड़ा ऊंचाई पर जाकर नहा रहे थे, उसी समय अचानक पानी की वजह से चंद्र का पैर फिसल गया और वह नीचे गिर गया। पत्थर से टकराकर वो झरने में गिर गया। पत्थर से चोट लगने के कारण वो तैर नहीं पाया और डूबकर उसकी मौत हो गई।

धूं-धूं कर जलने लगी बोलेरो, मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड

बलौदाबाजार (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले में चलती गाड़ी में आग लगने से इलाके में हडक़ंप मच गया। आसपास मौजूद लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन भीषण आग की चपेट में आने से गाड़ी जलकर खाक हो गई। यह घटना जिले के अम्बेडकर चौक की है। मिली जानकारी के अनुसार, बलौदाबाजार मेन रोड में चलती बोलेरो में आग लग गई। इससे गाड़ी धूं-धूं कर जलने लगी। आसपास मौजूद लोग आग पर काबू पाने की कोशिश में जुट गए। वहीं मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम भी आग बुझाने में जुट गई है। अनुमान लगाया जा रहा है कि, तेज गर्मी के कारण गाड़ी में आग लगी होगी।

मुख्यमंत्री से फ्रांस के कौंसल जनरल ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से आज यहां उनके निवास कार्यालय में फ्रांस के कौंसल जनरल जीन-मार्क सेरे-शार्लेट ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री बघेल ने इस दौरान कौंसल जनरल को छत्तीसगढ़ हर्बल उत्पाद, राजकीय गमछा और राजकीय पशु 'वनभैंसा' का बेलमेटल से निर्मित प्रतीक चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर मुख्य सचिव अमिताभ जैन भी उपस्थित थे।

तेंदू पत्ता तोड़ने गए ब्यक्ति पर भालू ने किया हमला चेहरे को बुरी तरह नोचा

कवर्धा (आरएनएस)। भोरमदेव अभयारण्य क्षेत्र स्थित छपरी गांव के 55 वर्षीय पंचराम ध्रुर्वे तेंदुपत्ता तोडने जंगल गया था. इस दौरान करियाआमा शनि मंदिर के पास पंचराम का सामना भालू से हो गया. भालू के हमले के बाद वह किसी तरह अपनी जान बचाकर भागने में कामयाब हुआ। इस जानलेवा हमले में वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया था, जिसे डायल 112 की मदद से इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया. जहां उसका इलाज जारी है। भोरमदेव मंदिर से एक किलो मीटर पहले छपरी गांव में कुछ दिन पहले भी भालू को सडक़ पार करते देखा गया था, जिसे ग्रामीणों ने जंगल की तरफ खदेड़ दिया था. क्षेत्र में भालू दिखने के बाद भी वन विभाग हरकत में नहीं आया और आज ग्रामीण पर भालू ने हमला कर दिया।

दो होनहार युवक पहुंचे सफलता के मुकाम पर : रोहित ने किया एमबीबीएस तो ब्रिजेश को मिला एनआईटी में पढ़ने का मौका

❐ शासन की योजना का मिला लाभ

रायगढ़। छत्तीसगढ़ राज्य के अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के प्रतिभावान विद्यार्थियों का सपना संजोने का कार्य कर रही है पंडित जवाहर लाल नेहरू उत्कर्ष योजना, जो विद्यार्थियों में नई सोच के साथ बेहतर कैरियर चयन का अवसर प्रदान करते हुए प्रतिस्पर्धी तथा बर्हिमुखी व्यक्तित्व विकास में महती भूमिका निभा रही है। इसी कड़ी में शासन की इस योजना का लाभ प्राप्त करते हुए दो होनहार विद्यार्थी चयनित होकर अपनी सफलता के मुकाम तक पहुंच चुके है।

उल्लेखनीय है कि विकासखण्ड लैलूंगा के ग्राम-राजपुर निवासी ब्रिजेश पैकरा जिनकी प्राथमिक शिक्षा गांव के स्कूल में हुई थी। जिनको स्थानीय शिक्षक के माध्यम से पं.जवाहर लाल नेहरू उत्कर्ष योजना की जानकारी मिली। जिसके पश्चात उन्होंने इस योजना में आवेदन किया और चयनित होने पर रायगढ़ के संस्कार पब्लिक स्कूल में पढऩे का मौका मिला। उन्होंने बताया कि कक्षा 6 वीं से 12 वीं तक प्राप्त बेहतर शिक्षा के परिणाम स्वरूप उनका चयन एनआईटी जैसे शैक्षणिक संस्थान में हुआ है। जहां आदिवासी ग्रामीण अंचल के कुछ ही बच्चों को पढऩे का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि यह योजना बेहतर शिक्षा के साथ भविष्य संवारने का मौका देती है और वे खुद अन्य लोगों को इस योजना के बारे में जानकारी दे रहे है, ताकि अन्य ग्रामीण बच्चों को भी बेहतर शैक्षणिक संस्थान में पढऩे का अवसर मिल सके।

ग्राम-छतौना बिलासपुर का रहने वाला रोहित पैकरा ने प्रारंभिक शिक्षा ग्राम-बेलगहना से की थी। शिक्षक के माध्यम से योजना की जानकारी एवं मार्गदर्शन मिला और उन्होंने इस योजना अंतर्गत फार्म भरने के पश्चात उनका चयन हुआ और उन्हें रायगढ़ के संस्कार पब्लिक स्कूल में पढऩे का मौका मिला। यहां उन्होंने छठवीं से बारहवीं तक की पढ़ाई पूर्ण की। उन्होंने बताया कि यहां पढऩे से उन्हें अन्य बच्चों से काम्पीटिशन पैदा हुआ। साथ ही अन्य परीक्षाओं की बेहतर जानकारी एवं मार्गदर्शन मिलता रहा। जिसके चलते उन्होंने पीएमटी प्रवेश परीक्षा दिलायी एवं सफल भी हुए और आज उनका एमबीबीएस पूर्ण हो चुका है। रोहित पैंकरा आज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अकलतरा में पदस्थ है। साथ ही उच्च शिक्षा हेतु तैयारी भी कर रहे है। उन्होंने बताया कि यह योजना बेहतर शिक्षा के साथ मार्गदर्शक की भूमिका निभायी।

पंडित जवाहर लाल नेहरू उत्कर्ष योजना के तहत छ.ग.राज्य के अंतर्गत चयनित उत्कृष्ट प्राइवेट स्कूलों में प्रवेश कराया जाता है एवं शाला का पूर्ण शुल्क शासन द्वारा वहन किया जाता है। योजनान्तर्गत कक्षा 12 वीं तक अध्ययन की सुविधा होती है। रायगढ़ जिले में संस्कार पब्लिक स्कूल एवं दिल्ली पब्लिक स्कूल में यह योजना संचालित है। इस योजना के तहत विद्यार्थी को छत्तीसगढ़ राज्य का मूल निवासी होना चाहिए तथा सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी अनुसूचित जाति या जनजाति वर्ग का स्थायी जाति निवास प्रमाण पत्र होना आवश्यक है। विद्यार्थी को छत्तीसगढ़ में संचालित किसी मान्यता प्राप्त संस्था में कक्षा 5वीं में नियमित रूप से अध्ययनरत होना आवश्यक है तथा कक्षा चौथीं की परीक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक या समकक्ष ग्रेड प्राप्त करने वाले विद्यार्थी चयन परीक्षा में शामिल होने के पात्र होंगे। पिता या पालक की समस्त स्त्रोतों से वार्षिक आय 2.50 लाख रूपए से अधिक न हो तथा निर्धारित प्रपत्र में पालक का स्वघोषणा पत्र होना चाहिए। इस योजना के अंतर्गत सिर्फ ग्रामीण क्षेत्र में स्थित विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों का चयन ही किया जाएगा। छात्र-छात्रा जिले के मूल निवासी हो, उसी जिले में आवेदन की पात्रता होगी।

छत्तीसगढ़ में गर्मी से बढ़ी बेचैनी, पारा 43 डिग्री पार : बने जैसे हालात

❐ आगामी तीन दिन में 3 डिग्री तक बढ़ेगा टेंपरेचर

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में सूरत से निकलने वाली आग झुलसाने लगी है। किसके कारण गर्मी का दौर शुरू हो गया है। शनिवार को अधिकतम तापमान सक्ती और तिल्दा में 43.6 डिग्री तक पहुंच गया। दोपहर की चिलचिलाती धूप अब चुभने लगी है। प्रदेश में चक्रवात का असर कम होते ही मौसम में बदलाव शुरू हो गया है। रायपुर में आज सुबह से ही सामान्य से डेढ़ डिग्री तापमान बढ़ा हुआ है। अगले तीन दिन में 3 डिग्री तक तापमान बढऩे की संभावना है।

इसके अलावा जांजगीर-चांपा, मुंगेली, रायगढ़, कोरबा, सूरजपुर, दुर्ग, राजनांदगांव,धमतरी, कांकेर, बीजापुर और दंतेवाड़ा जिले में सुबह से 1 से 2 डिग्री तक तापमान बढ़ा हुआ है। रायपुर में तापमान दोपहर तक दो डिग्री तक बढ़ सकता है, बाकी जिलों में भी इसी तरह की स्थिति बनी रहेगी। मौसम विभाग ने कई जिलों में लू जैसे हालात बनने की भी चेतावनी दी है।

शनिवार को यहां सबसे ज्यादा गर्मी- शनिवार को प्रदेश का अधिकतम तापमान 43.6 डिग्री सेल्सियस सक्ती जिले में दर्ज किया गया। तिल्दा में भी यही रिकॉर्ड दर्ज किया गया। राजनांदगांव में 42, कवर्धा में 41.5, पेंड्रा रोड में 40.4, दुर्ग में 41.6, जगदलपुर में 38 और अंबिकापुर में 38.9 डिग्री तापमान रहा।

मौसम विशेषज्ञ एचपी चंद्रा ने बताया, चक्रवाती तूफान 'मोका' म्यांमार और बांग्लादेश की तरफ बढ़ गया है। इसकी वजह से एक बार फिर उत्तर-पश्चिमी हवाओं का प्रभाव प्रदेश में बढ़ गया है। वहां गर्म हवाओं का आगमन लगातार जारी है। इसलिए तापमान में बढ़ोतरी देखी जा रही है।

आने वाले दिनों में पड़ेगी भीषण गर्मी- प्रदेश में आने वाले दिनों में भीषण गर्मी के हालात बनने वाले हैं। मौसम विशेषज्ञ एचपी चंद्रा ने बताया कि उत्तर-पश्चिमी हवाओं की वजह से कई जिलों में लू जैसे हालात बनेंगे। आने वाले दिनों में तापमान 2 से 3 डिग्री बढऩे की संभावना है। हवा शुष्क रहेगी इसलिए बारिश के भी आसार नहीं है। हालांकि इस दौरान अगर आने वाले दिनों में कोई सिस्टम बना तो प्रदेश में बारिश भी हो सकती है।

गर्मियों में लू न लगे, इसके लिए बरतें सावधानी- आने वाले दिनों में तापमान में 2 से 3 डिग्री की बढ़ोतरी होगी तो गर्म हवाएं भी चल सकती हैं। ऐसे में शरीर को गर्मी से बचाने के लिए सावधानी बरतनी बेहद जरूरी है। विशेषज्ञों के मुताबिक तेज धूप के समय सीधे बाहर निकलने से बचना चाहिए। अचानक ठंडी से गर्म और गर्म से ठंडी जगह पर जाने से बचना चाहिए। गर्मी से बचने के लिए ज्यादा से ज्यादा पानी का उपयोग करना चाहिए।

करैत सांप के डसने से मां के साथ सो रही मासूम की मौत

कोरबा। अपनी मां के साथ सो रही डेढ़ साल की मासूम को करैत सांप के डंस दिया। जानकारी मिलने पर स्वजन उसे उपचार के लिए 108 की मदद से जिला अस्पताल ले गएए जहां डाक्टर ने परीक्षण के बाद घोषित कर दिया।

ग्राम कोथारी गांव निवासी शेखर धैर्य रोजी मजदूरी कर अपने परिवार का जीवन यापन करता है। बीती रात शेखर अपने दो बच्चों के साथ खाट पर सोया हुआ था, वहीं उसकी पत्नी बबीता दो बच्चों को लेकर अलग सोई हुई थी। सुबह छह बजे सबसे छोटी बच्ची काजल को सांप ने डंस लिया। स्वजनों को इसका पता ही नहीं चला, जब सुबह सब उठने लगे तब उसकी मां ने उसे भी उठाया। इस दौरान करैत सांप खाट पर बच्ची के साथ लिपटा हुआ था। चीख-पुकार मचाने पर शेखर मौके पर पहुंचा और देखा की करैत सांप कुंडली मारे खाट पर बैठा है। बच्ची के हाथों को छूकर देखा तो उसका शरीर ठंडा पड़ चुका था और मुंह से झाग निकल रहा था। बावजूद स्वजनों ने जिंदा समझकर 108 को फोन कर बुलाया और उसकी मदद से बच्ची को जिला मेडिकल कालेज लेकर पहुंचे। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर जिला अस्पताल चौकी प्रभारी रविंद्र कुमार जनार्दन अस्पताल से मिले मेमो के आधार पर वैधानिक कार्रवाई की।

सड़क से पार हुआ गजराजों का झुंड, आवाजाही बाधित

कोरबा (आरएनएस)। ग्रामीण सडक़ पर आज सुबह काफी देर तक आवाजाही बाधित की गई। ऐसा होने पर यहां से हाथियों के झुंड को दूसरी दिशा के लिए पार कराया गया। इसमें एक शावक सहित 24 हाथी शामिल थे। भले ही हाथियों की रवानगी एक तरफ से हो गई है लेकिन अब उस तरफ चिंता की लकीरें पैदा हो गई हैए जहां जंगली जानवरों ने रूख किया है।

फारेस्ट डिवीजन के कोरबा परिक्षेत्र के अंतर्गत ढेंगुर गांव की मुख्य सडक़ से हाथियों को पार करने का काम सुबह वन कर्मियों और वन सुरक्षा समितियों के सदस्यों के द्वारा कराया गया। इस दौरान क्षेत्र के जागरूक लोगों ने भी सहयोग किया। बताया गया कि कुछ दिन से 24 हाथियों का समूह वन परिक्षेत्र में यहां वहां विचरण कर रहा था। उसकी आवाजाही पर वन विभाग नजर रखे हुए था। ट्रैकिंग सिस्टम से भी उसकी लोकेशन का पता चल रहा था। मालूम चला कि सुबह जंगली जानवर कोरकोमा के नजदीकी गांव में मौजूद हैं और इनकी वजह से दिक्कतें है। सूचना मिलने पर वनकर्मी हरकत में आये। संसाधनों के साथ हाथियों को यहां से बाहर करने के तरीके अपनाए गए। 24 की संख्या में हाथियों के मुख्य सडक़ पार करने का काम चुनौती भरा था। ऐसे में संभावित खतरों को देखते हुए संबंधित क्षेत्र में पर्याप्त दूरी पर दोनों तरफ लोगों की आवाजाही बाधित की ताकि हाथी सडक़ को पार कर सके। लगभग 40 मिनट तक इन कारणों से रास्ते पर आवाजाही थमी रही और लोगों ने हाथियों को सडक़ से पार होते देखा। उनके यहां से चले जाने और इसकी पुष्टि होने पर मार्ग को सामान्य किया गया। जिले में हाथियों के रहवास और उनके लिए जरूरत की चीजें व्यवस्थित करने के इरादे से सरकार के द्वारा लेमरू हाथी अभ्यारण्य तैयार किया जा रहा है।

दूपमरे के 27 स्टेशनों में 31 एक स्टेशन एक उत्पाद बिक्री केन्द्र की की गई शुरुआत

❐ देश के 21 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों के 728 रेलवे स्टेशनों को 785 एक स्टेशन एक उत्पाद बिक्री केन्द्र के रूप में शामिल किया गया है

❐ छत्तीसगढ़ की लोककला एवं हस्तशिल्प को प्राथमिकता

बिलासपुर (आरएनएस)। रेल मंत्रालय ने भारत सरकार के 'वोकल फॉर लोकल' विजन को बढ़ावा देने, स्थानीय/स्वदेशी उत्पादों के लिए एक बाजार प्रदान करने तथा समाज के वंचितों वर्गो के लिए अतिरिक्त आय के अवसर जुटाने के उद्देश्य से भारतीय रेलवे ने 'वन स्टेशन वन प्रोडक्ट' (ओएसओपी) योजना शुरू की है। इस योजना के तहत, रेलवे स्टेशनों पर ओएसओपी केन्द्रों को स्वदेशी/स्थानीय उत्पादों को प्रदर्शित करने, बेचने और उच्च दृश्यता प्रदान करने के लिए आवंटित किया जाता है। इसकी पायलट योजना 25.03.2022 को शुरू की गई थी और 01.05.2023 के अनुसार पूरे देश के 21 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में 785 ओएसओपी केन्द्रों के साथ 728 स्टेशनों को शामिल किया गया है। इन ओएसओपी स्टालों को एकरूपता प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान के माध्यम से डिजाइन किया गया है। मार्च 2022 से 01.05.2023 तक संचयी प्रत्यक्ष लाभार्थियों की संख्या 25,109 हो गई है। वन स्टेशन वन प्रोडक्ट' स्थान विशेष के लिए विशिष्ट हैं और इसमें स्वदेशी जनजातियों द्वारा बनाई गई कलाकृतियां, स्थानीय बुनकरों द्वारा हथकरघा, विश्व प्रसिद्ध लकड़ी की नक्काशी जैसे हस्तशिल्प, कपड़े पर चिकनकारी और जरी-जरदोजी का काम या मसाले चाय, कॉफी और अन्य संसाधित/अद्र्ध संसाधित खाद्य पदार्थ/उत्पाद जिनका देश में उत्पादन हुआ है, शामिल हैं। उदाहरण के लिए, पूर्वोत्तर भारत में असमिया पीठा, पारंपरिक राजबंशी पोशाक, झापी, स्थानीय कपड़ा, जूट उत्पाद (टोपी, गमछा, गुडिय़ा) ओएसओपी स्टालों पर उपलब्ध हैं और जम्मू-कश्मीर क्षेत्र, कश्मीरी गिरदा, कश्मीरी कहवा और सूखे मेवे प्रसिद्ध हैं, दक्षिण भारत में काजू उत्पाद, मसाले, चिन्नालापट्टी हथकरघा साडिय़ाँ यात्रियों का ध्यान आकर्षित कर रही हैं, देश के पश्चिमी भाग में कढ़ाई और ज़री ज़रदोज़ी, नारियल हलवा, स्थानीय रूप से उगाए गए फल, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, बंधनी प्रसिद्ध हैं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में बिलासपुर, रायपुर व नागपुर रेल मण्डल के 27 स्टेशनों में 'एक स्टेशन एक उत्पाद' के 31 बिक्री केन्द्र (स्टॉल) की शुरुआत की गई है।

कोविड के दौर में नर्स बहनों की सेवा अतुलनीय : मुख्यमंत्री

❐ छत्तीसगढ़ नर्सिंग ऑफिसर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय नर्सेस दिवस कार्यक्रम में हुए शामिल

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि जब भी नर्सों की चर्चा होती है, तो कोविड-19 का चुनौती भरा दौर याद आता है। जब पूरी दुनिया में भय व्याप्त था। तब इस विपरीत परिस्थिति में हमारे डॉक्टरों और नर्सों ने जो सेवाएं दी, उसकी तुलना नहीं की जा सकती। नर्सों ने अपने परिजनों और बच्चों से दूर रहकर मरीजों की सेवा की। कई मौकों पर उन्हें परेशानियां भी झेलनी पड़ी, लेकिन वे अपने कर्तव्य से नहीं हटी। हमारी नर्स बहनों ने ईश्वर की सेवा की तरह मरीजों की भी सेवा की।

मुख्यमंत्री बघेल ने आज शाम राजधानी रायपुर स्थित पंडित जवाहर लाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ नर्सिंग ऑफिसर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय नर्सेस दिवस कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री बघेल ने फ्लोरेंस नाइटेंगल के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और मानवता के लिए उनके योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस प्रकार माँ अपनों बच्चों की सेवा करती है, ठीक उसी प्रकार नर्स बहने भी मरीजों की सेवा करती है और इसमें कोई अतिश्योक्ति नहीं है। सेवा सबसे बड़ा धर्म है और आप सभी सेवा के क्षेत्र में है। मरीजों के ईलाज और स्वास्थ्य लाभ में आपकी बड़ी भूमिका है। आपके चेहरों पर जो मुस्कान होगी, वह मरीजों के लिए दवाईयों से अधिक कारगर होगा। उन्होंने इस मौके पर केक काटकर नर्सों के साथ अंतर्राष्ट्रीय नर्सेस दिवस की खुशी मनाई और नर्सेस-डे और मदर्स-डे की शुभकामनाएं दी।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ताकुन्दे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाय में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् उच्च पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित विशेष कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

रूरल इंडस्ट्रियल पार्क से समूह की महिलाओं को मिला अपने पैरों पर खड़े होने का हौसला

❐ मुख्यमंत्री ने ग्राम कड़ार के नवनिर्मित रीपा का किया अवलोकन

❐ महिला समूहों से चर्चा कर उन्हें हो रहे लाभ के बारे में पूछा

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज भाटापारा विधानसभा क्षेत्र में भेंट-मुलाकात के दौरान ग्राम कड़ार में नवनिर्मित रूरल इंडस्ट्रियल पार्क में स्थापित विभिन्न यूनिट का अवलोकन किया और वहां छोटे-छोटे उद्योग संचालित करने वाले महिला समूहों की सदस्यों से चर्चा कर उनके काम और व्यवसाय से हो रहे लाभ के बारे में जानकारी ली। महिलाओं ने मुख्यमंत्री को बताया कि रीपा खुलने से उन्हें छोटे-छोटे काम प्रारंभ कर अपने पैरों पर खड़ा होने का आत्मविश्वास मिला है। यहां हो रही आमदनी से उन्हें अपने घर परिवार चलाने में भी सहायता मिल रही है।

मुख्यमंत्री ने कड़ार रीपा में सबसे पहले मसाला निर्माण यूनिट का अवलोकन किया। इस यूनिट को संचालित करने वाली ओम साई राम स्व-सहायता समूह की महिलाओं से चर्चा कर उनके काम के बारे में मुख्यमंत्री ने जानकारी ली। इतरा धीवर ने मुख्यमंत्री को बताया कि अब तक उनके समूह द्वारा 50 हजार रुपये के मिर्च-मसाले की बिक्री की गई है। गौठान में स्व-सहायता समूह के सदस्य वर्मी कंपोस्ट का निर्माण भी कर रहे हैं, अब तक 1 लाख 20 हज़ार रुपये की वर्मी कम्पोस्ट की बिक्री कर चुके हैं। इस समूह में कुल 11 महिला सदस्य जुड़े हुए हैं। उन्होंने बताया कि लाभ की राशि का बटवारा सदस्य आपस में कर लेते हैं।

अगरबत्ती यूनिट को संचालित करने वाली मां सरस्वती महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य पूजा साहू ने बताया कि अभी तक 80 हजार रुपये का समान बेच चुके हैं, जिसमें लगभग 10 हजार रूपये की लागत लगी थी। दोना पत्तल यूनिट को संचालित करने वाली सतनाम महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य संगीता बंजारे ने बताया कि अभी तक 50 हजार रुपये का समान बेच चुके हैं, जिसमें लगभग 20 हजार रूपये की लागत लगी और 30 हजार का शुद्ध लाभ मिला है।

रीपा में लगायी गई ढाई लाख रूपए की लागत से मिनी दाल मिल की यूनिट- महामाया स्व-सहायता समूह की सदस्य देविका वर्मा ने बताया कि लगभग 2 माह पूर्व शासन की मदद से 2.50 लाख रुपये की लागत से मिनी दाल मिल इकाई स्थापित की गई है। अभी 20 क्विंटल कृषि विज्ञान केंद्र से अरहर मिला है, इसे प्रोसिसिंग कर खुला बाजार में बेचने की तैयारी है।